भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1340

09 फरवरी, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुष में शिक्षा,अनुसंधान एवं नवाचार को बढ़ावा

1340. श्रीमती पूनमबेन माडम:
श्री नायब सिंह सैनी:
श्री रघु राम कृष्ण राजू:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार के पास देश में शैक्षणिक गतिविधियों, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण की व्यवस्था करके आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी (आयुष) में शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने का कोई प्रस्ताव/कार्यक्रम है; और

(ख) यदि हां, तो इसकी रूपरेखा तथा लक्ष्य को सुदृढ़ करने के घटक क्या हैं और इसकी शुरूआत की तारीख क्या है तथा अब तक हासिल किए गए उल्लेखनीय लक्ष्य का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आयुष मंत्री (श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): जी हां, आयुष मंत्रालय 2021-22 से आयुर्ज्ञान नामक एक केंद्रीय क्षेत्र योजना का कार्यान्वयन कर रहा है, जिसका उद्देश्य एक्स्ट्रा म्यूरल अनुसंधान गतिविधियों द्वारा आयुष में अनुसंधान और नवाचार का समर्थन और अकादमिक गतिविधियों, प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण आदि का शिक्षा प्रदान करके समर्थन करना है।

(ख) : यह योजना दिनांक 08.06.2021 से प्रभावी है। इस योजना के 03 घटक हैं यथा- (i) आयुष में क्षमता निर्माण और सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) (ii) आयुष में अनुसंधान और नवाचार, वित्त वर्ष 2021-22 से और (iii) आयुर्वेद जीव विज्ञान एकीकृत स्वास्थ्य अनुसंधान (इसे वित्त वर्ष 2023-24 से योजना के तहत जोड़ा गया)। योजना के तहत, योजना के दिशानिर्देशों में निहित प्रावधान के अनुसार देश भर में पात्र संगठनों/संस्थानों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

अपनी स्थापना से आयुर्ज्ञान योजना की उल्लेखनीय उपलब्धियां इस प्रकार हैं:

i) **<u>आयुष घटक में क्षमता निर्माण और सीएमई के तहत</u>**:

- वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 2.70 करोड़ रुपये, वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 6.25 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 4.44 करोड़ रुपये (31.01.2024 तक) की निधि आयुष शिक्षकों, डॉक्टरों, पैरामेडिक्स और आयुष/गैर-आयुष वैज्ञानिकों/डॉक्टरों आदि के लिए विभिन्न विषयों में क्रमशः 28, 73 और 49 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए जारी/वितरित की गई थी।
- अब तक 3755 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

ii) **<u>आयुष घटक में अनुसंधान एवं नवाचार</u>**

- वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 1.76 करोड़ रुपये, वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 2.82 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान (31.01.2024 तक) 2.03 करोड़ रुपये क्रमशः 21, 25 और 24 अनुसंधान परियोजनाओं के लिए जारी किए गए थे।

एक अन्य, केंद्रीय क्षेत्र की योजना अर्थात् मेडिकल वैल्यू ट्रैवल के लिए चैंपियन सेवा क्षेत्र योजना (सीएसएसएस) जिसमें आयुष क्षेत्र में कौशल विकास का एक घटक है। आयुष मंत्रालय ने इस योजना के तहत आयुष में कौशल पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए 12 लघु पाठ्यक्रम मॉड्यूल को अनुमोदित किया है, जिसमें वित्त वर्ष 2021-22 और वित्त वर्ष 2022-23 में क्रमशः 07 संस्थानों को **12.84 करोड़ रुपये** और 08 संस्थानों को **1.21 करोड़ रुपये** की राशि जारी की गई थी। राज्यों/संघ राज्य क्षेत्र के लिए सीएसएसएस के कौशल विकास घटक के कार्यान्वयन के लिए उनके तत्वावधान में जारी किया गया था। वित्तीय वर्ष 2021-22 में कुल 264 विद्यार्थियों एवं वित्तीय वर्ष 2022-23 में 37 प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं कुल 760 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया गया।

उपरोक्त योजनाओं के अलावा, आयुष मंत्रालय के तहत अनुसंधान परिषदें और राष्ट्रीय संस्थान भी आयुष में शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के संवर्धन के लिए विभिन्न पाठ्यक्रम और कार्यक्रम संचालित कर रहे हैं। ऐसे पाठ्यक्रम/कार्यक्रम का ब्यौरा संलग्नक-1 पर दिया गया है।

*****

संलग्नक-1

क्र.सं.	संस्थान/संगठन का नाम	पाठ्यक्रम/कार्यक्रम
1.	**केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस)**	**1. शिक्षा-** ▪ **<u>इंटरमीडिएट/सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा (बारहवीं कक्षा</u>** XII) **<u>वाले उम्मीदवार -</u>** • पंचकर्म तकनीशियन पाठ्यक्रम (पीटीसी) • **<u>स्नातक पूर्व-</u>** • पंचकर्म थेरेपी में प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम (सीसीपीटी) • मर्म चिकित्सा में प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम (सीसीएमसी) **2. अनुसंधान**- ▪ **<u>स्नातक पूर्व विद्यार्थी-</u>** • आयुर्वेद अनुसंधान छात्रवृत्ति कार्यक्रम केन (स्पार्क) ▪ **<u>स्नातकोत्तर विद्यार्थी-</u>** • स्नातकोत्तर शोधार्थियों के लिए आयुर्वेद अनुसंधान योजना (पीजी-एसटीएआर) ▪ **<u>स्नातकोत्तर</u>** • आयुष पीएच.डी फेलोशिप कार्यक्रम • सीसीआरएएस पोस्ट-डॉक्टोरल फेलोशिप योजना (पीडीएफ) ▪ **<u>पीएच.डी धारक (आयुर्वेद और गैर-आयुर्वेद दोनो)</u>** - • सीसीआरएएस पोस्ट-डॉक्टोरल फेलोशिप योजना (पीडीएफ) **3. क्षमता निर्माण**: ▪ परिषद ने आयुर्वेद में एमडी/एमएस करने वाले छात्रों की सुविधा के लिए **"आयुर्वेद अनुसंधान पद्धति और सांख्यिकी (एआरएमएस)"** पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। इस योजना का उद्देश्य छात्रों को उनके शोध सारांश की योजना और विकास में मार्गदर्शन करना है और चिकित्सा लेखन में उनके कौशल को बढ़ाना है। ▪ परिषद ने, परिषद के अधिकारियों, आयुर्वेद विद्वानों, विभिन्न आयुर्वेद कॉलेजों के शिक्षण फैकल्टियों और निजी चिकित्सकों के लिए क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण और सतत चिकित्सा शिक्षा के लिए समय-समय पर कई उपाय किए हैं।
2.	**केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद**	1. यूनानी चिकित्सा के संवर्धन हेतु सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशाला/प्रशिक्षण कार्यक्रम इत्यादि निरन्तर आयोजित करना। 2. क्षमता निर्माण के तहत शोधकर्ताओं को उनके ज्ञान के उन्नयन और अद्यतनीकरण के लिए विभिन्न संस्थानों में प्रतिनियुक्त भी किया जाता है।
3.	**केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद**	1. केंद्रीय अनुसंधान संस्थान (एच), कोट्टायम को पीजी शिक्षा के लिए मानसिक स्वास्थ्य राष्ट्रीय होम्योपैथी अनुसंधान संस्थान (एनएचआरआईएमएच) में अपग्रेड किया गया है। कुल 25 पीजी शोधार्थी निम्नलिखित विषयों में नामांकित हैं: चिकित्सा अभ्यास (13 सीटें) और मनोचिकित्सा (प्रत्येक 12 सीटें)। 2. सीसीआरएच के 27 परिधीय संस्थानों/इकाइयों और 7 होम्योपैथिक उपचार केंद्रों में **चिकित्सीय अनुसंधान, चिकित्सीय सत्यापन अध्ययन, औषधि विकास औषधि परीक्षण और नैदानिक सत्यापन अध्ययन, मौलिक और बुनियादी अनुसंधान आयोजित किए गए**।

		3. **जन स्वास्थ्य अनुसंधान:** • स्वस्थ बच्चे के लिए होम्योपैथी*:* • कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीसीडीसीएस) में होम्योपैथी का एकीकरण • स्वास्थ्य रक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत, 4. सीएमई, वेबिनार, वैज्ञानिक सम्मेलन का आयोजन करता है जिसमें चिकित्सकों को सीसीआरएच और विश्व भर में किए गए विभिन्न शोध अध्ययनों के शोध परिणामों के बारे में जानकारी दी जाती है। 5. विभिन्न श्रेणियों के वेबिनार आयोजित करने से अनुसंधान वैज्ञानिकों के कौशल को उन्नत करने, नवीनतम जानकारी का प्रसार करने, जागरूकता उत्पन्न करने और होम्योपैथी को लोकप्रिय बनाने के लिए उनकी क्षमता निर्माण में मदद मिलती है। कौशल विकास/क्षमता निर्माण के माध्यम से प्रशिक्षित प्रशिक्षुओं की संख्या। 6. क्षमता निर्माण और स्नातक-पूर्व, स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्रों के बीच अनुसंधान योग्यता को प्रोत्साहित करने के लिए, परिषद ने मान्यता प्राप्त चिकित्सा संस्थानों/विश्वविद्यालयों के माध्यम से **होम्योपैथी में एमडी/पीएचडी कार्यक्रम करने वाले चयनित चिकित्सा स्नातक और स्नातक/स्नातकोत्तर छात्रों को छात्रवृति प्रदान करने** के लिए कार्यक्रम शुरू किए हैं।
4.	**राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग**	• <u>एनसीएच द्वारा प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण</u> • जून-जुलाई 2022 के दौरान केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद के सहयोग से आयोग द्वारा ऑनलाइन नैदानिक अनुसंधान प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण में कुल 600 फैकल्टी और 2300 पीजी छात्रों ने भाग लिया। • प्रथम बीएचएमएस के सभी संकाय सदस्यों के लिए क्षेत्रवार **योग्यता आधारित गतिशील पाठ्यक्रम (सीबीडीसी)** प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। 14 फरवरी 2023 से 20 मार्च 2023 तक आयोजित 1 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारत भर के 203 होम्योपैथी मेडिकल महाविद्यालयों के कुल 1227 फैकल्टी ने भाग लिया। • प्रवेश प्रबंधन, चिकित्सा योग्यता मान्यता मॉड्यूल, शिक्षण प्रबंधन पद्धति आदि जैसे विभिन्न मॉड्यूल के लिए **शैक्षिक जीवन चक्र प्रबंधन सॉफ्टवेयर** विकसित किया गया। • **जोनवार एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम** दिनांक 16.1.2024 से 15.2.2024 तक निर्धारित है। यह एक सतत प्रशिक्षण है और अब तक 04 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं, 137 होम्योपैथी चिकित्सा संस्थानों के 276 प्रतिनिधियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। शेष जोन का प्रशिक्षण दिनांक 15.2.24 तक पूर्ण कर लिया जायेगा। • <u>एनसीएच की उल्लेखनीय उपलब्धियां:</u> 1. बीएचएमएस पाठ्यक्रम के लिए योग्यता आधारित गतिशील पाठ्यक्रम तैयार और कार्यान्वित किया गया 2. वैकल्पिक पाठ्यक्रम तैयार किये गये हैं और उन्हें क्रियान्वित किया जा रहा है 3. शैक्षिक जीवन चक्र प्रबंधन पद्धति विकसित किया गया है एवं संचालन में है।

5.	**भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग**	<u>निम्नानुसार अनुसंधान कार्यक्रम आयोजित करता है</u> 1. **अन्वेषणम: रस-भस्म** रसशास्त्र और भैषज्य कल्पना विभाग या मान्यता प्राप्त आयुर्वेद संस्थानों के रसशास्त्र के शिक्षकों और आयुर्वेद चिकित्सकों से नई "रसौषधि" या "नई सामग्री की भस्म" तैयार करने के लिए प्रस्ताव आमंत्रित करता है, जिसका वर्णन किसी भी आयुर्वेद शास्त्रीय ग्रंथ में नहीं किया गया है। 2. एनसीआईएसएम ने प्रकाशन ऐथिक्स, रिसर्च, इंटीग्रिटी एंड साइंटिफिक राइटिंग में **निपुण** 60 **मास्टर प्रशिक्षकों को** प्रशिक्षित किया है ताकि देश भर के एएसयूएस स्नातकोत्तर संस्थानों के सभी पीजी गाइडों को प्रशिक्षित किया जा सके। 3. **शिक्षक गुणवत्ता सुधार गतिविधियाँ** - i. स्नातकोत्तर गाइडों के लिए अभिमुखीकरण ii. चिकित्सा शिक्षा प्रौद्योगिकी iii. संकाय विकास एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम 4. **हितधारकों का प्रशिक्षण** (गैर-शिक्षण कर्मचारी और अस्पताल कर्मचारी) 5. **अनुसंधान और नवाचार सेल के समन्वयकों के लिए उद्यमिता विकास** पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण 6. **योग्यता आधारित पाठ्यचर्या और पाठ्यक्रम** पर अभिविन्यास कार्यक्रम 7. **'शैक्षिक योजना एवं प्रशासन'** पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम 8. पीजी-गाइड अभिमुखीकरण कार्यक्रम 9. संस्कृत भाषा के लिए उपकरण
6.	**राष्ट्रीय यूनानी चिकित्सा संस्थान, बेंगलुरु**	1. शैक्षणिक कार्यक्रम जैसे 10 विशिष्टताओं में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम एमडी/एमएस और दो विशिष्टताओं में पीएचडी कार्यक्रम। 2. संस्थान यूनानी चिकित्सकों, चिकित्सकों, छात्रों, चिकित्सा अधिकारी, फार्मेसी आदि हितधारकों के लिए प्रशिक्षण/अभिमुखीकरण सह क्षमता निर्माण कार्यक्रम भी आयोजित करता है।
7.	**राष्ट्रीय सिद्ध संस्थान, चेन्नई**	1. सिद्ध चिकित्सा पद्धति जो एक आयुष पद्धति है, में यूजी, पीजी और पीएचडी कार्यक्रम आयोजित करना। 2. यह संस्थान आरोग्य मेले आदि में भाग लेकर देश भर में सिद्ध चिकित्सा पद्धति के संवर्धन के लिए विभिन्न कदम उठा रहा है। संस्थान चिकित्सा की सिद्ध पद्धति के बारे में अधिक जागरूकता उत्पन्न करने के लिए सिद्ध दिवस समारोह, सीएमई, कार्यशालाएं, सेमिनार और सम्मेलन जैसे कई कार्यक्रम भी आयोजित करता है।
8.	**राष्ट्रीय होम्योपैथी संस्थान, कोलकाता और दिल्ली**	शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए एनआईएच, दिल्ली में शिक्षा और अनुसंधान में उपलब्धि को बढ़ावा देने के लिए पीजी पाठ्यक्रम के 07 विभिन्न विषयों में 17 पीजी छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।
9.	**राष्ट्रीय आयुर्वेद एवं होम्योपैथी संस्थान, शिलांग**	1. बीएएमएस एवं बीएचएमएस पाठ्यक्रम चलाना 2. पंचकर्म तकनीशियन प्रमाणपत्र 3. चिकित्सा अधिकारियों को पंचकर्म थेरेपी प्रशिक्षण (आयुर्वेद)